सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 171 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 26 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा सम्बन्ध है।

– गौतम बुद्ध

रूट टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले... 7 | ऑपरेशन सिन्दूर और नफरत की... 3 | भाजपा सरकार में किसी की सुनवाई... 2

शोबाज पीएम मोदी का गुब्बारा मीडिया ने फुला रखा है : राहुल

'ओबीसी का हलवा कुछ लोग खा रहे हैं'

» दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में राहुल गांधी का जबर्दस्त भाषण

» जातिगत जनगणना न कराना मेरी गलती अब इसे मैं दोगुने स्पीड से ठीक करूंगा : राहुल

» कॉरपोरेट में ओबीसी की भागीदारी न के बाराबर जबकि मनरेगा में ज्यादा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन के पीडीए से हार चुके एनडीए पर राहुल गांधी ने एक और जबर्दस्त प्रहार किया है। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अबतक का सबसे बड़ा हमला बोलते हुए उन्हें शोबाज़ बताया है। राहुल गांधी ने अपनी गलती स्वीकरते हुए जातिगत जनगणना न करा पाने पर अफसोस जहिर किया है।

उन्होंने एलान किया कि अब वह दोगुनी स्पीड से ओबीसी के लिए काम करेंगें। तेलंगाना सरकार का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां की जातिगत जनगणना से साफ हो गया कि कॉरपोरेट क्षेत्र में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग की हिस्सेदारी बेहद कम है, जबकि मनरेगा और गिग वर्क जैसे असुरक्षित क्षेत्रों में यही लोग ज्यादा हैं। इस पर उनका कहना था कि यह देश की 90 फीसदी आबादी है, लेकिन जब बजट बनता है और हलवा बंटता है तो वहां इनका कोई प्रतिनिधि नहीं होता। हलवा हम बना रहे हैं खा कोई और रहा है।

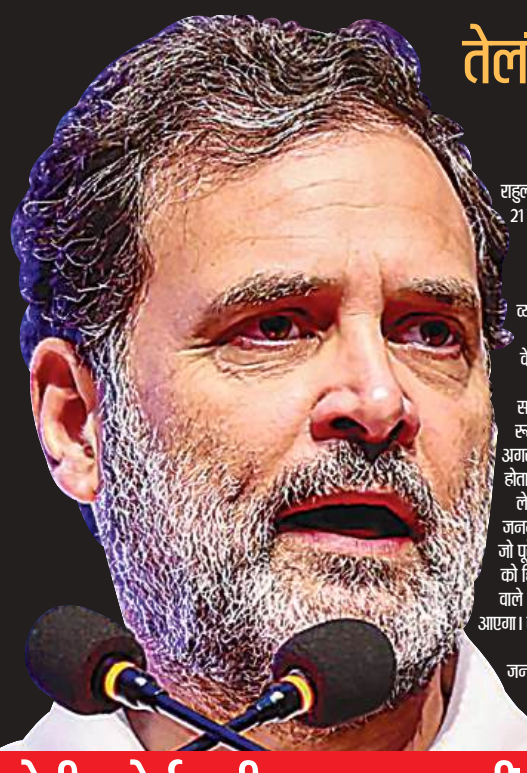

तेलंगाना मॉडल भूकंप है

राहुल गांधी ने माना कि 2004 से 2025 तक 21 वर्षों का राजनीतिक अनुभव लेने के बाद भी उन्होंने ओबीसी वर्ग की जटिल समस्याओं को गहराई से नहीं समझा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनकी व्यक्तिगत गलती थी कांग्रेस पार्टी की नही। उन्होंने कहा कि दलित और जनजातियों के मुद्दे और समस्याए सामने से नजर आ जाते हैं। लेकिन ओबीसी समुदाय की समस्याओं पर पर्दा पड़ा है और वह वर्चुअल रूप से छिपे हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अगर उन्हें उन्हें इनका इतिहास और दर्द पता होता तो वे पहले ही जातिगत जनगणना करा लेते। राहुल गांधी ने तेलंगाना की जातिगत जनगणना को एक राजनीतिक भूकंप बताया जो पूरे देश की सामाजिक राजनीतिक संरचना को हिला रहा है। उन्होंने कहा कि इससे आने वाले महीनों और वर्षों में जबर्दस्त आफ्टरशॉक आएगा। राहुल गांधी ने मंच से घोषणा की कि अब कांग्रेस शासित सभी राज्यों में जातिगत जनगणना कराई जाएगी ताकि ओबीसी और अन्य वर्गों की वास्तविक स्थिति सामने लाई जा सके।

मोदी कोई बड़ी समस्या नहीं

राहुल गाँधी ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि जब उनसे व्यक्तिगत रूप से मिले, तो उन्होंने महसूस किया कि मोदी सिर्फ शोबाज हैं। मीडिया ने उनका गुब्बारा फुला रखा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मोदी कोई बड़ी समस्या नहीं हैं समस्या यह है कि आप उन्हें बहुत ज्यादा महत्व दे रहे हैं। उन्होंने आरएसएस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। राहुल गांधी ने दावा कि आरएसएस ने ओबीसी समुदाय का इतिहास मिटाने का काम किया है। 'दोगुनी स्पीड' ओबीसी के लिए तेज़ कार्य योजना राहुल ने जोर देकर कहा कि अब वह ओबीसी वर्ग के लिए दोगुनी स्पीड और दोगुनी ताकत से काम करेंगे यानी तेज़ गति से सुधार और भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

राहुल गांधी संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की तरह : उदितराज

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदितराज ने शनिवार को अपने एक बयान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर से की। उदित राज ने कहा कि अगर अन्य पिछड़ा वर्ग उस बात को सुनता है, जो राहुल गांधी ने भागीदारी न्याय सम्मेलन के दौरान कही, तो राहुल गांधी इस बात को साबित कर देंगे कि वे ओबीसी वर्ग के दूसरे आंबेडकर हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तेलंगाना में हुई जाति जनगणना समाज का एक्स-रे है। राहुल गांधी का उद्देश्य इसे देशभर में कराने का है। उनके विचार दूरदर्शी हैं। अगर दलित और पिछड़ा वर्ग के लोग आगे आएं तो हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। समाज में जो असमानता है, वह कम होगी। अगर पिछड़ा वर्ग के लोग उसे समझने की कोशिश करें, जो राहुल गांधी कह रहे हैं तो राहुल गांधी इस बात को साबित कर देंगे कि वे उनके लिए दूसरे आंबेडकर हैं।उदित राज ने लिखा कि पिछड़ा वर्ग को यह सोचना होगा कि इतिहास उन्हें विकास का मौका बार-बार नहीं देगा। उन्होंने उस बात को मानना चाहिए और इसका समर्थन करना चाहिए, जो राहुल गांधी ने तालकटोरा स्टेडियम में हुए सम्मेलन में कही। अगर वे ऐसा करते हैं तो राहुल गांधी उनके लिए दूसरे आंबेडकर साबित होंगे।

> "अगर दलित और पिछड़ा वर्ग के लोग आगे आएं तो हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। समाज में जो असमानता है, वह कम होगी।
>
> उदितराज पूर्व सांसद कांग्रेस

कांग्रेस सोशल जस्टिस आंदोलन शुरू करेगी

राहुल गांधी ने ओबीसी मंच से कांग्रेस के नये आंदोलन को शुरू करने की घोषणा की। नये आंदोनल का नाम सोशल जस्टिस आदोंलन है जिसका पहला मॉडल तेलंगाना बना है उन्होंने कहा कि इसे पूरे देश में फैलाया जाएगा। राहुल गांधी ने बताया कि तेलंगाना सर्वे से खुलासा हुआ है कि ओबीसी? की हिस्सेदारी कहां है और असमानता क्यों है। तेलंगाना की जातिगत जनगणना में यह साफ़ हुआ कि कॉर्पोरेट बोर्ड, मीडिया, न्यायपालिका जैसे संरचनाओं में एससी/एसटी/ओबीसी का हिस्सा बेहद कम है। वही वर्ग मनरेगा, गिग वर्क, असुरक्षित रोजगारों में भारी संख्या में यह वर्ग दिखायी देते हैं। राहुल गांधी ने बताया? कि देश की लगभग 90 फीसदी आबादी इसी समूह से संबंध रखती है, लेकिन प्रभावशाली वर्गों में इनका प्रतिनिधित्व नगण्य है।

भाजपा सरकार में किसी की सुनवाई नहीं : अखिलेश यादव

बोले- खुद भाजपा के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसी की सुनवाई नहीं है। खुद भाजपा के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। डिप्टी सीएम तक को डांटा जा रहा है।

सपा मुखिया ने कहा कि जब स्कूल और शैक्षिक संस्थान बंद हो जाएंगे तो गरीब और पीडीए परिवार के बच्चे कहां पढ़ने जाएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बुनियादी और प्राइमरी शिक्षा को बर्बाद कर रही है। गरीबों को शिक्षा से दूर कर षड्यंत्र कर रही है। भाजपा सरकार स्कूलों को बंद कर संविधान को कमजोर कर रही है।

प्राइमरी शिक्षा को बर्बाद कर रही भाजपा

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि संविधान के तहत ही शिक्षा का अधिकार का कानून है। भाजपा स्कूलों को बंद कर संविधान और कानून से मिले शिक्षा के अधिकार को छीन रही है। जब स्कूल और शैक्षिक संस्थान बंद हो जाएंगे तो गरीब और पीडीए परिवार के बच्चे कहां पढ़ने जाएंगे।

स्कूलों को बंद करना मतलब मनुवादी सोच का पुनरुत्थान : धर्मेंद्र यादव

लोकसभा में समाजवादी पार्टी के मुख्य सचेतक एवं आजमगढ़ सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि स्कूलों में पढ़ने वाले अधिकतर बच्चे गरीब, पिछड़े और दलित समुदाय से आते हैं। सरकार जानबूझकर ऐसी नीतियां लागू कर रही है जिससे इन वर्गों के बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा सके। उन्होंने इस निर्णय को मनुवादी सोच का पुनरुत्थान करार दिया और कहा कि यह संविधान प्रदत्त शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। इस संबंध में सांसद धर्मेंद्र यादव ने डीएम पत्र लिख कर कई बिंदुओं की जानकारी मांगी है। जिसमें उन्होंने पूछा है कि इस निर्णय से निम्न आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग एवं उच्च आय वर्ग के कितने विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं?

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा सामान्य वर्ग के कितने बच्चे इस निर्णय से प्रभावित हैं? सांसद धर्मेंद्र यादव ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने गरीब, दलित और पिछड़े वर्गों के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने की जनविरोधी नीति को वापस नहीं लिया, तो समाजवादी पार्टी जन आंदोलन के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है और उसे छीना नहीं जा सकता।

सपा ने फूलन देवी को किया याद

प्रदेश सपा मुख्यालय समेत सभी जिला कार्यालयों पर पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि सादगी से मनाई गई। प्रदेश सपा मुख्यालय पर राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी ने फूलन देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। उन्होंने कहा कि फूलन देवी अन्याय व अत्याचार के कारण बागी बनीं और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने ने फूलन देवी को सांसद बनाकर उन्हें नई पहचान दी।

महायुति सरकार के मंत्रियों ने जासूसी के डर से बंद किए मोबाइल : रोहित पवार

महाराष्ट्र में फोन टैपिंग का खौफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने दावा किया है कि महाराष्ट्र सरकार के कुछ मंत्रियों ने इस डर से अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए हैं कि उनके फोन टैप किये जा रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने की मांग की। रोहित पवार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, ''कुछ मंत्रियों से फोन पर सम्पर्क नहीं हो पा रहा है।

ऐसी कानाफूसी चल रही है कि उन्होंने अपने फोन जासूसी के डर से बंद कर दिए हैं। आने वाले दिनों में पता चलेगा कि यह सच है या सिर्फ अफवाह। कर्जत-जामखेड से दूसरी बार विधायक चुने गए रोहित पवार राकांपा (शरद चंद्र पवार) के महासचिव भी हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने संवाददाताओं से कहा, हर किसी को आरोप लगाने का अधिकार है, लेकिन आरोपों के समर्थन में समय सबूत भी पेश किये जाने चाहिए। यह फोन टैपिंग का आरोप शिवसेना (उबाठा) के इस दावे के बीच आया है जिसमें कहा गया है कि राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना है और शिवसेना के पांच से छह मंत्रियों को हटाया जा सकता है। इससे पहले एनसीपी (सपा) के प्रदेश महासचिव रोहित पवार ने कहा था कि सांगली के ठेकेदार हर्षल पाटिल की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा की गई हत्या है। कई अन्य ठेकेदारों को भी अभी तक भुगतान नहीं मिला है और वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। मैं उन सभी से अपील करता हूँ कि वे पाटिल जैसा कोई कठोर कदम न उठाएँ। रोहित ने सरकार से ठेकेदारों के बकाया का वित्तीय रिकॉर्ड माँगा।

भाजपा नेता के बयान पर भड़के कांग्रेसी

अस्पताल का नाम बदलने पर मप्र में सियासी बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल रियासत के नवाब हमीदुल्ला के नाम वाले सरकारी हमीदिया अस्पताल के नए नामकरण की मांग उठने के साथ ही मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। भोपाल नगर निगम की बैठक में अस्पताल के साथ स्कूल और कॉलेज के नाम बदलने का प्रस्ताव पास होने पर भाजपा और कांग्रेस के पार्षद आमने-सामने आ गए।

भाजपा के एक पार्षद ने नवाब को गद्दार कहा तो कांग्रेस के पार्षदों ने विरोध किया। नौबत मारपीट तक पहुंच गई।इस विवाद को शुक्रवार को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने और हवा दे दी। उन्होंने हमीदिया अस्पताल में अत्याधुनिक सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन का लोकार्पण करने के बाद कहा कि भोपाल को नवाब ने भारत में विलय होने की सहमति नहीं दी।

कांग्रेस के दिल में कुछ और जुबान पर कुछ है: मायावती

राहुल गांधी के ओबीसी वाले बयान पर बीएसपी चीफ भड़कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ओबीसी वाले बयान पर सियासत तेज है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के इस बयान को लेकर अब बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने निशाना साधा है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस के दिल में कुछ और जुबान पर कुछ है। इसके साथ ही पूर्व सीएम ने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही चाल-ढाल है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा-लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें

उनका संवैधानिक हक दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है. कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है।मायावती ने आगे लिखा-वास्तव में उनका यह बयान उसी तरह से जगजाहिर है जैसा कि देश के करोड़ों शोषित, वंचित व उपेक्षित एससी/एसटी समाज के प्रति कांग्रेस पार्टी का ऐसा ही दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण रवैया लगातार रहा है और जिस कारण ही इन वर्गों के लोगों को फिर अन्ततः अपने आत्म-सम्मान व स्वाभिमान तथा अपने पैरों पर खड़े होने की ललक के कारण अलग से अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) यहाँ बनानी पड़ी है। पूर्व सीएम ने आगे लिखा-कुल मिलाकर इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी यूपी सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है और अब सत्ता गंवाने के बाद इन्हें इन वर्गों की याद आने लगी है। जिसे इनकी नीयत व नीति में हमेशा खोट रहने की वजह से घड़ियाली आँसू नहीं तो और क्या कहा जाएगा, जबकि वर्तमान हालात में बीजेपी के एनडीए का भी इन वर्गों के प्रति दोहरे चरित्र वाला यही चाल-ढाल लगता है।

अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है

मायावती ने लिखा-वैसे भी एससी/एसटी वर्गों को आरक्षण का सही से लाभ व संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं करने तथा देश की आजादी के बाद लगभग 40 वर्षों तक ओबीसी वर्गों को आरक्षण की सुविधा नहीं देने तथा सरकारी नौकरियों में इनके पदों को नहीं भरकर उनका भारी बैकलॉग रखने आदि के जातिवादी रवैयों को भला कौन भुला सकता है। जो कि इनका यह अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है।

जातिवादी पार्टियाँ हमेशा से एक ही थैली के चट्टे-बट्टे

उन्होंने लिखा-इतना ही नहीं बल्कि इन सभी जातिवादी पार्टियों ने आपस में मिलकर एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को किसी ना किसी बहाने से एक प्रकार से निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी ही बना दिया है. इस प्रकार दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़ों इन बहुजन समाज को सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक तौर पर गुलाम व लाचार बनाए रखने के मामलों में सभी जातिवादी पार्टियाँ हमेशा से एक ही थैली के चट्टे-बट्टे रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन कैदी

पंचायत चुनाव में स्कूली विलय का मुद्दा उठाएगी आप : संजय

पार्टी जोर-शोर से शुरू करेगी तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले दिनों हुए गुजरात व पंजाब उपचुनाव में मिली जीत से उत्साहित आम आदमी पार्टी (आप) अब यूपी पर फोकस कर रही है। वह जोर-शोर से पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। प्रदेश में हाल में हुए परिषदीय स्कूलों के विलय (पेयरिंग) ने पार्टी के हाथ में एक बड़ा मुद्दा थमा दिया है।

पार्टी पंचायत चुनाव के मद्देनजर इस मुद्दे को भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्ता हाथ से जाने से पार्टी काफी हतोत्साहित थी। किंतु पिछले दिनों गुजरात व पंजाब उपचुनाव में मिली जीत ने पार्टी को फिर से बूस्टर डोज दी है। इसके बाद से पार्टी नेताओं

की सक्रियता बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में 2026 में प्रस्तावित पंचायत चुनाव को देखते हुए पार्टी ने जोर-शोर से तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर जिलों में जहां संगठन सृजन को लेकर बैठकें चल रही हैं। वहीं वे खुद जोनवार सम्मेलन कर रहे हैं। इसी बीच प्रदेश में स्कूलों के विलय को लेकर हुए निर्णय ने पार्टी को पंचायत चुनाव का एक मुद्दा दे दिया है। अब संजय सिंह खुद जिलों में जाकर बंद हुए स्कूलों के सामने, वहां के लोगों के साथ चौपाल लगा रहे हैं।

ऑपरेशन सिन्दूर और नफरत की राजनीति!

मुस्लिम नेताओं को साबित करनी होगी देशभक्ति?

» संसद से सड़क तक छाया मुद्दा

» गुजरात या गाजा सच्चाई क्या?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर संसद में बवाल मचा हुआ है। विपक्ष उस पर चर्चा करवाना चाहता है। सरकार भी राजी हो गयी है। सोमवार को उस पर चर्चा होगी। पीएम को सदन में उपस्थित रहने की मांग विपक्ष कर रहा है। फिलहाल प्रधानमंत्री विदेश यात्रा पर एक-दो दिन में आ जाएंगे। ऐसे में सोमवार को इस चर्चा हो सकती है। सूत्रों से ऐसी जानकारी मिल रही है रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व विदेश मंत्री जयशंकर इस मुद्दे पर सरकार की ओर बात रखेंगे। उधर इससे पहले भाजपा व विपक्ष में कई बार इस मुद्दे तीखी नोक-झोंक हो चुकी है।

आपरेशन सिंदूर जिसे भारतीय सेना ने मई 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया था। जिसने न केवल भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को बढ़ाया। बल्कि देश के भीतर एक नई सियासी जंग को भी जन्म दिया। इस सैन्य कार्रवाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी और विपक्ष खासकर कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिल रही है। बीजेपी ने इस ऑपरेशन को अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान की जीत के रूप में पेश किया। वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगा रहे हैं। इस बीच गुजरात में सोशल मीडिया पर देशविरोधी पोस्ट को लेकर दर्ज की गई। एफआईआर और मुस्लिम नेताओं पर देशभक्ति साबित करने का कथित दबाव इस विवाद को और गहरा रहा है। सवाल यह है कि क्या ऑपरेशन सिन्दूर के बहाने नफरत की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है और क्या गुजरात में सच्चाई को दबाने की कोशिश हो रही है। ऑपरेशन सिन्दूर को भारतीय सेना ने 6-7 मई 2025 की रात को शुरू किया था। जिसके तहत पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई में 100 से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की खबर आई और भारतीय वायुसेना ने S-400 सुदर्शन चक्र जैसे उन्नत हथियारों का इस्तेमाल कर पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे पहलगाम हमले का संतुलित जवाब बताया। जिसमें 26 लोग मारे गए थे वहीं इस ऑपरेशन को लेकर देश में अभूतपूर्व राजनीतिक एकजुटता देखने को मिली। जिसमें कांग्रेस,,एनसीपी, एआईएमआईएम और अन्य दलों ने सरकार और सेना की सराहना की।

विपक्ष ने इस सैन्य कार्रवाई का राजनीतिक लाभ लेने का बीजेपी पर लगाया आरोप

विपक्ष खासकर कांग्रेस ने बीजेपी पर इस सैन्य कार्रवाई को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवल एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाकर ऑपरेशन सिन्दूर का पॉलिटिकल माइलेज लेने की कोशिश की और उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी ने रेलवे टिकटों पर पीएम मोदी की तस्वीर के साथ ऑपरेशन सिन्दूर का प्रचार कर सेना के पराक्रम को प्रोडक्ट की तरह बेचने की कोशिश की। मध्य प्रदेश में भोपाल-झांसी रूट की संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के टिकट पर यह प्रचार देखा गया। जिस पर कांग्रेस ने तीखी आपत्ति जताई। ऑपरेशन सिन्दूर के बाद गुजरात में सोशल मीडिया पर देशविरोधी और सेना का मनोबल तोड़ने वाले पोस्ट को लेकर 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई इनमें से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और पुलिस ने इसे देश की एकता और सुरक्षा के खिलाफ भड़काऊ जानकारी फैलाने का मामला बताया इनमें से कुछ मामलों में मुस्लिम व्यक्तियों को निशाना बनाया गया। जिससे यह सवाल उठा कि क्या मुस्लिम नेताओं और व्यक्तियों को अपनी देशभक्ति साबित करने का अतिरिक्त दबाव डाला जा रहा है।

बीजेपी ने वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए भेजा डेलिगेशन

बीजेपी ने ऑपरेशन सिन्दूर को वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए 32 देशों में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया। लेकिन इस प्रक्रिया में भी विवाद हुआ जब कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उसके सुझाए चार नेताओं में से केवल आनंद शर्मा को शामिल किया गया। जबकि शशि थरूर और सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं को बीजेपी ने अपनी पसंद से चुना . जयराम रमेश ने इसे नरेन्द्र मोदी सरकार की पूर्ण निष्ठाहीनता और ओछी राजनीति का उदाहरण बताया।

एकजुटता जल्द ही सियासी खींचतान में बदली

यह एकजुटता जल्द ही सियासी खींचतान में बदल गई। बीजेपी ने ऑपरेशन सिन्दूर को अपनी ताकत और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रतीक बनाकर पेश किया। पार्टी ने 31 सेकंड का एक वीडियो जारी किया। जिसमें भारत की मिसाइलों की सटीकता को पाकिस्तान की विफलता के सामने दिखाया गया इसके साथ ही, बीजेपी ने देशभर में तिरंगा यात्रा शुरू करने की घोषणा की। जिसका मकसद जनता को यह बताना था कि ऑपरेशन सिन्दूर ने राष्ट्रीय स्वाभिमान को मजबूत किया। इस अभियान की जिम्मेदारी संबित पात्रा विनोद तावड़े और तरुण चुग जैसे नेताओं को सौंपी गई।

रामगोपाल यादव के बयान पर भी जारी रहा था घमासान

इसके अलावा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव के एक बयान ने विवाद को और हवा दी और उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर में शामिल महिला अधिकारी व्योमिका सिंह के लिए जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल किया और इसे मुसलमान समझकर गाली देने से जोड़ा। इस बयान ने न केवल जातिगत विवाद को जन्म दिया बल्कि यह धारणा भी बनाई कि मुस्लिम समुदाय को लगातार अपनी देशभक्ति साबित करने के

लिए निशाना बनाया जा रहा है.। कांग्रेस ने इन घटनाओं को बीजेपी की नफरत की राजनीति का हिस्सा बताया. जयराम रमेश ने कहा कि बीजेपी ने राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों का इस्तेमाल विपक्ष को बदनाम करने. और धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया कुछ ङ्क पोस्ट में भी यही भावना दिखी जहां बीजेपी पर सेना की कामयाबी को कमतर दिखाकर धार्मिक तनाव पैदा करने का आरोप लगाया गया।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर की गिरफ्तारी पर भी बवाल

वहीं अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को उनकी सोशल मीडिया पोस्ट के लिए हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार किया।

महमूदाबाद ने ऑपरेशन सिन्दूर की प्रेस ब्रीफिंग में महिला अधिकारियों की भागीदारी को प्रतीकात्मक बताया था लेकिन यह भी कहा कि अगर जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया तो यह केवल दिखावा होगा और उन्होंने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हिंसा जैसे मॉब लिंचिंग और अवैध बुलडोजिंग पर भी सवाल उठाए। उनकी गिरफ्तारी पऔसदुद्दीन ओवैसी और) की सुभाषिणी अली ने निंदा की और सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए सहमति दी।

एफआईआर और गिरफ्तारियों पर उठे प्रश्न

गुजरात में ऑपरेशन सिन्दूर के बाद हुई एफआईआर और गिरफ्तारियों ने सवाल उठाए कि क्या यह कार्रवाई वास्तव में देशविरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए थी या इसका मकसद मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाना था कुछ खबरों में गजा का उल्लेख भ्रामक रूप से हुआ। जो संभवतः गलत संदर्भ या टाइपोग्राफिकल त्रुटि थी हालांकि, यह भ्रम भी बीजेपी की रणनीति पर सवाल उठाता है कि क्या वह जानबूझकर ऐसी अस्पष्टता पैदा कर रही है ताकि धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा सके। गुजरात पुलिस ने जिन 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की उनमें एक व्यवसायी और सरदार पटेल सम्मान संकल्प आंदोलन समिति के संयोजक शामिल थे पुलिस का कहना था कि इन पोस्ट्स ने भारतीय सेना के खिलाफ भ्रामक और नफरत फैलाने वाली बातें फैलाईं लेकिन विपक्ष का तर्क है कि यह कार्रवाई चुनिंदा थी और इसका मकसद मुस्लिम समुदाय को डराना था। कांग्रेस ने इसे सौदेबाजी की राजनीति करार दिया. जिसमें सेना के शौर्य को भी राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

विपक्ष का आरोप बिहार चुनाव में लेना चाहते हैं लाभ

विपक्ष का कहना है कि बीजेपी इस ऑपरेशन का इस्तेमाल आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में वोट हासिल करने के लिए कर रही है। रेलवे टिकटों पर प्रचार और तिरंगा यात्रा जैसे कदमों को कांग्रेस ने विज्ञापनजीवी सरकार की नीति बताया दूसरी ओर बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने ऑपरेशन सिन्दूर का समर्थन किया था और अब वह अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है। ऑपरेशन सिन्दूर एक सैन्य सफलता के रूप में शुरू हुआ लेकिन जल्द ही यह राजनीतिक और सामाजिक विवाद का केंद्र बन गया बीजेपी की तिरंगा यात्रा, रेलवे टिकटों पर प्रचा और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के चयन में कथित राजनीति ने इस मुद्दे को और जटिल कर दिया. गुजरात में एफआईआर और मुस्लिम नेताओं पर देशभक्ति साबित करने का दबाव यह सवाल उठाता है कि क्या राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर नफरत की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है। सच्चाई यह है कि ऑपरेशन सिन्दूर ने भारत की सैन्य ताकत को तो दिखाया लेकिन इसके साथ ही देश के भीतर धार्मिक और राजनीतिक ध्रुवीकरण की खाई को भी गहरा कर दिया विपक्ष को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि वह इस मुद्दे पर एकजुट होकर बीजेपी की कथित सौदेबाजी की राजनीति का जवाब दे ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

स्कूलों में होने वाली दुर्घटनाएं कब रुकेंगी!

“ सवाल एक ही है स्कूलों में होने वाली दुर्घटनाएं कब रुकेंगी। बहुत जटिल है,इसका सीधा जवाब देना मुश्किल है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्कूलों, माता-पिता और छात्रों को मिलकर काम करना होगा। स्कूलों को अपनी सुविधाओं और उपकरणों का नियमित रूप से रखरखाव करना चाहिए, और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सुरक्षित हैं।

राजस्थान के झालावाड़ कें एक हृदय विदारक घटना में विद्यालय की छत गिरने से 7 मासूमों असयम मृत्यु हो गई। इस हादसे में कई छात्र गंभीर घायल हैं। प्रथम दृष्टया इस हादसे के पीछे प्रशासनिक लापरवाही नजर आ रही है। ऐसा बताया जा रहा की विद्यालय का भवन पुराना था व जर्जर अवस्था में था। कई बार इसकी शिकायत भी की गई थी पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। सिस्टम की लापरवाही ने बच्चों को असमय ही छीन लिया। सवाल एक ही है स्कूलों में होने वाली दुर्घटनाएं कब रुकेंगी। बहुत जटिल है,इसका सीधा जवाब देना। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्कूलों, के माता-पिता और छात्रों को मिलकर काम करना होगा। स्कूलों को अपनी सुविधाओं और उपकरणों का नियमित रूप से रखरखाव करना चाहिए, और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सुरक्षित हैं। इसके अलावा, स्कूलों को छात्रों को सुरक्षा नियमों के बारे में शिक्षित करना चाहिए और उन्हें सुरक्षित रहने के तरीके सिखाने चाहिए। माता-पिता को भी अपने बच्चों को सुरक्षित रहने के महत्व के बारे में शिक्षित करना चाहिए, और उन्हें स्कूल में होने वाली किसी भी समस्या के बारे में स्कूल को सूचित करना चाहिए।

छात्रों को भी अपनी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होना चाहिए, और उन्हें स्कूल में सुरक्षित रहने के लिए नियमों का पालन करना चाहिए। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, इन सभी कारकों को ध्यान में रखना होगा। स्कूलों को अपनी सुविधाओं और उपकरणों का नियमित रूप से रखरखाव करना चाहिए। जिसमें खेल के मैदान, कक्षाएं और गलियारे शामिल हैं। स्कूलों को छात्रों को सुरक्षा नियमों के बारे में शिक्षित करना चाहिए, जैसे कि फिसलने और गिरने से कैसे बचें, और उन्हें इन नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्कूलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्रों को पर्याप्त वयस्क पर्यवेक्षण मिले, खासकर खेल के मैदानों और अन्य खतरनाक क्षेत्रों में। स्कूलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके खेल के मैदान सुरक्षित हैं और अच्छी तरह से बनाए हुए हैं। स्कूलों को छात्रों को सुरक्षित रहने के महत्व के बारे में शिक्षित करना चाहिए, और उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। माता-पिता को स्कूल की सुरक्षा नीतियों और प्रक्रियाओं के बारे में सूचित किया जाना चाहिए, और उन्हें स्कूल में होने वाली किसी भी समस्या के बारे में सूचित करना चाहिए। इन सुझावों का पालन करके, हम स्कूलों को अधिक सुरक्षित स्थान बना सकते हैं। सरकारों से उम्मीद की जा सकती है। आने वाले समय कुछ ऐसी व्यवस्था का निमार्ण होगा जिससे इस तरह की दुर्घटनाएं न हो। इसके लिए अभिभावकों से भी सलाह ली जाए कि घटनाओं को कैसे रोका जाए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रतिशोध की आग में खुद झुलसा पाक

ले. जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

पाकिस्तान ने 1971 की हार से सबक लेकर रीति-नीति से खुद में सुधार करने के बजाय भारत से बदला लेने को लक्ष्य बना लिया। जिसे सेना ने स्थाई सिद्धांत में बदल डाला। उसकी जिद ने आर्थिकी व लोकतंत्र को नष्ट किया। पाक अलग-थलग पड़ गया। दरअसल, पाकिस्तान की सबसे बड़ी हार ढाका नहीं, बल्कि उससे सबक न सीखना है। हर पीढ़ी में, राष्ट्रों को पूछना चाहिए कि उन्हें क्या कुछ याद रहा, बल्कि यह भी कि किस रूप में याद रखना चुना। जब स्मृति प्रतिशोध बन जाए, तो यह भविष्य को अतीत की जंजीरों में जकड़ देती है। इस सिद्धांत का इससे स्पष्ट उदाहरण और कोई नहीं है कि 1971 के बाद से पाकिस्तान बदला लेने का जुनून पाले हुए है। ढाका में आत्मसमर्पण करने के 53 साल बाद भी, यह सच्चाई अटल है 1971 में पाकिस्तान के टुकड़े भारत की वजह से नहीं हुए थे- बल्कि पाकिस्तान की अपनी करतूतें थी। यह सिर्फ एक युद्ध का अंत नहीं था; यह एक दोषपूर्ण राष्ट्रीय कल्पना का सामने आना था।

पूर्वी पाकिस्तान की त्रासदी उनके द्वारा रची गई थी जिन्हें यह देखने से इनकार था कि राष्ट्र को जबरन एकजुट नहीं रखा जा सकता, न ही मुंह बंद कर किसी की पहचान नकारी जा सकती है। फिर भी, यह सच्चाई स्वीकार करने के बजाय, पाकिस्तानी शासन, खासकर उसके सैन्य प्रतिष्ठान ने एक अलग रास्ता चुना आत्मचिंतन का नहीं, बल्कि प्रतिशोध का। हार की आग में जलते हुए, बदले की भावना से ओत-प्रोत एक सिद्धांत गढ़ा। ऐसा सिद्धांत जिसने राह सुधारने की बजाए उसे षड्यंत्रकारी बनाया, और राष्ट्रीय पीड़ा को संस्थागत स्थायित्व में बदल दिया। यह सिद्धांत तबसे कई रूप ले चुका है। वर्ष 1971 के बाद वाले दशकों में, पाकिस्तानी सेना ने सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में घुसपैठ कर ली, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मीडिया, विदेश नीति और यहां तक कि धर्म में भी। पाठ्यपुस्तकें आक्रामकता का महिमामंडन करती हैं और आत्मनिरीक्षण शामिल नहीं है। सरकार भले ही चुनाव से बनती हो, लेकिन फैसले जनरल लेते हैं।

आर्थिक स्वायत्तता पाने की जगह रणनीतिक भाड़े पर काम करना चुना। और जब दुनिया से इस हेतु पैसा आना बंद हो गया, तो खालीपन भरने को अन्य ने मौका लपका - चीन, खाड़ी मुल्क, गैर-सरकारी गुप्त संगठन भी - बतौर साझेदार नहीं, बल्कि कठपुतली के रूप में बरतने को। ऐसे ढांचे को कायम रखने

के लिए एक दुश्मन जरूरी होता है। अगर भारत का वजूद न होता, तो यह सिद्धांत कोई और दुश्मन गढ़ लेता। और इस तरह, युद्ध कभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ - बस युद्ध के मैदान से हटकर तौर-तरीके बदल गए। कारगिल, आईसी-814 अपहरण , मुंबई आतंकी हमला, पुलवामा और अब पहलगाम कांड - हर घटना यह दिखाने को कि रग हमारे हाथ में है, अपनी खोई प्रतिष्ठा फिर हासिल करने की या अपमान की इबारत फिर लिखने की कोशिश रही। लेकिन हर बार, पाक के लिए नतीजे उसके इच्छित लक्ष्य से कहीं ज्यादा बुरे रहे। इस सिद्धांत की कीमत उसे अंदरूनी पतन के रूप में और बाहरी दुनिया में अलग-थलग पड़ चुकानी पड़ी है। इस बदले से हासिल क्या हुआ? दरअसल, आतंकवाद एक दोधारी तलवार बन गया वह जिसका इस्तेमाल कभी दूसरों को गहरी सामरिक चोट देने के वास्ते किया, अब वही बेखौफ होकर देश के अंदर हमला कर रहा है। आर्थिक बर्बादी यानी मुद्रास्फीति, ऊर्जा संकट, संप्रभुता का हनन। कूटनीति कुंद पड़ी, यहां तक कि पारंपरिक सहयोगी भी अब मदद करने से पहले शर्तें मनवा रहे हैं। नागरिक समाज का क्षरण पत्रकारों का मुंह बंद करना, अल्पसंख्यकों को सताना, असहमति जुर्म बना दी गई। यह राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं, राष्ट्रीय स्व-क्षति के सिद्धांत को जामा पहनाना है। जो सेना कभी 'विचारधारा का संरक्षक' होने का दावा करती थी, अब रियल एस्टेट और मीडिया चैनल मालिकों की चौकीदारी कर रही है। दरअसल, यह अपनी ही अक्षमता की रचयिता और बंदी बन चुकी है। फिर आन पहुंचे असीम मुनीर! बदले की आग कुछ मद्धम पड़ रही है, एक शख्स आया जिसने उसे फिर भड़का दिया।

जनरल मुनीर, जिन्हें असफलता के विचार से घृणा है, 1971 के बाद रची पाकिस्तान की पटकथा को ठंडा पड़ते देख सह न सके, और जम्मू-कश्मीर से अनु. 370 हटाना तो बिल्कुल असहनीय रहा। उन्होंने फिर पूरे सिद्धांत को चिंगारी दे दी। मुनीर अपने भाषणों में द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का जोर-शोर से आह्वान करते हैं, उग्रवाद को शह और शत्रुता को नए सिरे से भड़काने को सड़क पर भीड़ उतारना एवं राज्य स्तर पर माहौल बनाना चाहते हैं। लेकिन इस बार, क्षेत्र ने प्रतिक्रिया अलग तरह की दी। ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की सैन्य सुस्पष्टता, बल्कि कूटनीतिक संयम की भी मिसाल रहा।

चांदी की चांदी हुई अब आम-खास से दूर

मधुरेंद्र सिन्हा

हहिहिहिहिदेश के सर्राफा बाजारों में चांदी की कीमतें रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। बढ़ती कीमतों के चलते आम ग्राहक और छोटे व्यापारी चांदी से दूर हो रहे हैं। वहीं, औद्योगिक मांग और निवेश बढ़ने से चांदी की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

देश के सर्राफा बाजारों में एक तरह से सन्नाटा छा गया है। सोने-चांदी की कीमतों से बाजार चकाचौंध हो रहे हैं। बीती 23 जुलाई को भारत में चांदी के दाम नया रिकॉर्ड बनाते हुए रुपये 1,16,000 प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर खुले। पिछले कुछ महीनों से चांदी के भाव में तेजी देखी जा रही है। आम ग्राहक सोने के बाद अब चांदी से भी दूर भाग रहा है। चांदी के गहने समाज के कम आय वर्ग के लोगों और ग्रामीण महिलाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। चांदी के व्यापार में देशभर में लाखों लोग लगे हुए हैं क्योंकि सोने के मुकाबले चांदी की कीमतें हमेशा काफी कम रहती थीं। उनका व्यापार करने के लिए ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती थी। त्योहारों में चांदी की बिक्री तो बढ़ती ही है, शादी-ब्याह में भी यह उपहार के तौर पर दिये जाते हैं।

ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी दिवाली पर चांदी के लक्ष्मी-गणेश उकेरे हुए सिक्के खूब बिकते हैं। लेकिन पिछले साल से इसमें रुकावट आ गई है और इस साल तो बिक्री अभी ठप है। किसी समय यह एक एसेट था जो बड़े किसान, कारोबारी वगैरह घर पर रखते थे और यह तत्काल नकदी की जरूरत पूरी करता था। वक्त के साथ चांदी की कद्र कम हो गई और सोना ही मुख्य धातु बन गया। पिछले कुछ वर्षों से इसके दाम बढ़ते ही गए और सारे रिकॉर्ड टूट गये। सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया और चांदी ही उसका सहारा बनी रही। लेकिन उसके भी दामों में उछाल आया। पिछले साल पहली अगस्त को चांदी के दाम 83,000 रुपये प्रति किलो हो गये थे, जिससे सर्राफा बाजारों में सन्नाटा छा गया था। कारोबारी ज्यादा स्टॉक लेने से बच रहे हैं। उन्हें डर है कि आगे चलकर इसके दाम धराशायी न हो जायें। रिटेल बिजनेस इससे चौपट हो गया है और खरीदार बाजार से दूर हो गये हैं। भारत में चांदी पर 12 फीसदी एक्साइज ड्यूटी और 5 फीसदी जीएसटी है जिससे ग्राहक तक पहुंचते-पहुंचते चांदी बहुत महंगी हो जाती है।

दिल्ली के कूचा महाजनी सर्राफा एसोसिएशन के महासचिव बताते हैं कि पहले चांदी के गहने में लोग पैसा लगाते थे। लोग भारत ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों में भी चांदी के गहने बनाते रहे हैं, लेकिन बाद में सोने का चलन बढ़ने के कारण चांदी को वह स्थान नहीं मिल सका। हाल के वर्षों में चांदी का इंडस्ट्रियल इस्तेमाल बहुत बढ़ा है। स्मार्टफोन, टैबलेट्स, फोटोवैल्टेक सेल, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों से लेकर मोबाइल फोन, गुटका, तंबाकू सभी में इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल तो हो ही रहा है क्योंकि चांदी बिजली का सबसे अच्छा संवाहक (गुड कंडक्टर) है। इलेक्ट्रॉनिक चिप में टांके लगाने में भी इसका इस्तेमाल हो रहा है। कुछ मेडिकल उपकरणों में भी इसका इस्तेमाल होता है।

इन उद्योगों में चांदी की मांग लगातार बढ़ती ही जा रही है 2024 के पहले चार महीनों में ही भारत ने 2023 के बराबर यानी 4,172 मीट्रिक टन चांदी का आयात कर लिया। इस कारण से इसकी कीमतें बढ़ती जा रही हैं। दिल्ली सदर बाजार के सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार इसकी कीमतों पर कोई अंकुश नहीं है क्योंकि चांदी भी सोने की तरह बाहर से आती है। भारत में अब इसका खनन नहीं होता है। सारा माल खासकर मेक्सिको और पेरु से आता है। इसलिए इसकी कीमतों पर भारतीयों की कोई पकड़ नहीं है। विदेशों में बैठे बड़े अरबपति सटोरिये इसकी कीमतों को ऊपर-नीचे करते रहते हैं। लेकिन अभी भाव ऊपर ही जा रहे हैं और नीचे आने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। चांदी की कीमतें बढ़ने का एक बड़ा कारण चीन है। दुनिया के सबसे बड़े इस औद्योगिक देश में चांदी का इस्तेमाल जमकर हो रहा है, चाहे वो इलेक्ट्रॉनिक आइटम हों अथवा ईवी की बैटरी या फिर सोलर लाइट्स, सभी में चांदी का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसलिए चीन पिछले पांच वर्षों से हर महीने औसतन 390 टन चांदी खरीद रहा है। हालांकि, वह चांदी का एक बड़ा उत्पादक देश है। इससे भी विश्व बाजार पर काफी असर पड़ा है। चीन में जो लोग सोना महंगा होने के कारण खरीद नहीं पा रहे हैं, चांदी खरीद रहे हैं।

बिजनेसमैन चांदी पर बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। चांदी शेयर बाजार की तुलना में काफी अच्छा रिटर्न दे रही है। माना जा रहा है कि अगर डॉलर और गिरेगा तो सोने-चांदी की कीमतें और बढ़ेंगी। यह हमेशा से होता आ रहा है कि डॉलर के दाम गिरने पर अंतर्राष्ट्रीय निवेशक धातुओं और कमोडिटी में पैसा लगाते हैं। कुछ विश्लेषक मानते हैं कि चांदी की कीमतें 1,40,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती हैं। अगर ऐसे ही हालात रहे तो अगले साल चांदी दो लाख रुपये प्रति किलो के स्तर तक जा सकती है। ऐसे में बहुत से छोटे व्यापारी बाजार से बाहर हो जायेंगे क्योंकि ऐसी कीमत पर खरीदार नहीं मिल पायेंगे। बहरहाल, काफी कुछ अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य और डॉलर की कीमतों पर निर्भर करता है। देखना है कि भारत में आने वाले त्योहारी सीजन में बिक्री कैसी रहती है। उस दौरान कीमतें यूं भी बढ़ जाती हैं। खरीदार दिवाली उत्सव के कारण चांदी खरीदते हैं।

बारिश में खूबसूरती देखने के लिए यहां की करें सैर

मानसून का मौसम आते ही जब बारिश की बूंदे धरती पर पड़ती हैं तो प्रकृति अपनी खूबसूरती की चरम पर होती है। बरसात के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखे जा सकते हैं। पहाड़ों से गिरते झरने, हरे-भरे जंगल, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देती हैं। बरसात आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना एक अद्भुत अनुभव दे सकता है। इस मानसून एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। चाहे रोमांटिक ट्रिप हो, फैमिली आउटिंग या सोलो एडवेंचर बरसात के मौसम में भारत की कुछ जगहें आपके अनुभव को यादगार बना देंगी। अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थित लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन मानसून में हरियाली से ढक जाता है। ट्रेकिंग, झरने और खूबसूरत घाटियों के लिए बरसात के मौसम में यह जगह बेस्ट है। अगर आप लोनावला और खंडाला घूमने जा रहे हैं तो यहां कुछ जगहें पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप भुशी डैम, टाइगर पॉइंट और राजमाची किले की सैर के लिए जरूर जाएं। इसके अलावा महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की सुंदरता बारिश के मौसम में दोगुनी हो जाती है। महाबलेश्वर हरे-भरे पहाड़, स्ट्रॉबेरी फार्म और शानदार घाटियों के लिए लोकप्रिय है। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते झरने इस जगह को जादुई बना देते हैं। आप यहां आर्थर सीट, वेन्ना लेक और प्रतापगढ़ किला घूमने जा सकते हैं।

कूर्ग, कर्नाटक

कर्नाटक का कुर्ग अपने कॉफी के बागानों के लिए लोकप्रिय है। साथ ही यहां के धुंध से ढके हुए जंगल और झरनों की आवाज से भरपूर कूर्ग मानसून में रोमांटिक गेटवे बन जाता है। तो कूर्ग की सैर पर जाने वालों को हर हाल में एबी फॉल्स, राजास सीट और मंडलपट्टी व्यूपॉइंट की सैर करनी चाहिए।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह होने के बावजूद, चेरापूंजी का आकर्षण मानसून में कई गुना बढ़ जाता है। लिविंग रूट ब्रिज, झरने और गुफाएं इसे खास बनाती हैं। मानसून में अगर चेरापूंजी की यात्रा कर रहे हैं तो नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व और सेवन सिस्टर्स फॉल्स जरूर घूमना चाहिए।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार हिल स्टेशन चाय के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। बरसात में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी खूबसूरती के साथ नजर आती है। यहां बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में यह हिल स्टेशन फोटो-परफेक्ट बन जाता है। मुन्नार के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम का नाम शामिल है।

हंसना मना है

पप्पू परेशान था... गप्पू ने पूछा- क्या हुआ? पप्पू - यार लेटर से धमकी मिली है कि मेरी बीवी से इश्क बंद कर दो, नहीं तो जान से मार दूंगा! गप्पू - ठीक तो है, बंद कर दो! पप्पू - लेटर गुमनाम है, समझ नहीं पा रहा हूं किसकी बीवी से इश्क बंद करना है...

लड़की ने घबराकर मायके फोन किया... लड़की - मां, मेरी रात में उनसे लड़ाई हो गई! मां - कोई बात नहीं बेटी, पति-पत्नी के बीच लड़ाई होती रहती है.. लड़की - अरे वो सब तो ठीक है, लेकिन अब ये बताओ कि लाश का क्या करना है... यह सुनकर मां बेहोश...

पत्नी - खिड़की पर परदे लगवा दो, नया पड़ोसी मुझे देखने की कोशिश करता है! पति - एक बार उसे ठीक से देख लेने दो, वो खुद ही परदे लगवा लेगा... फिर हुई पतिदेव की धुनाई...

पत्नी- अगर मैं खो गई तो तुम क्या करोगे... पति- अखबार में इश्तेहार दूंगा.. पत्नी - तुम कितने अच्छे हो, क्या लिखोगे... पति- जिसको मिले उसकी...

चिंटू - यार तूने इतने छोटे-छोटे बाल क्यों कटवाए... पप्पू - नाई के पास तीन रुपये खुल्ले नहीं थे, तो मैं बोला- तीन रुपये की और काट दे...

कहानी | हमेशा सीखते रहो

एक बार गांव के दो व्यक्तियों ने शहर जाकर पैसे कमाने का निर्णय लिया शहर जाकर कुछ महीने इधर-उधर छोटा-मोटा काम कर दोनों ने कुछ पैसे जमा किये फिर उन पैसों से अपना-अपना व्यवसाय प्रारंभ किया दोनों का व्यवसाय चल पड़ा दो साल में ही दोनों ने अच्छी खासी तरक्की कर ली। व्यवसाय को फलता-फूलता देख पहले व्यक्ति ने सोचा कि अब तो मेरा काम चल पड़ा है अब तो मैं तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता चला जाऊंगा लेकिन उसकी सोच के विपरीत व्यापारिक उतार-चढ़ाव के कारण उसे उस साल अत्यधिक घाटा हुआ। अब तक आसमान में उड़ रहा वह व्यक्ति यथार्थ के धरातल पर आ गिरा वह उन कारणों को तलाशने लगा, जिनकी वजह से उसका व्यापार बाजार की मार नहीं सह पाया सबने पहले उसने उस दूसरे व्यक्ति के व्यवसाय की स्थिति का पता लगाया, जिसने उसके साथ ही व्यापार आरंभ किया था वह यह जानकर हैरान रह गया कि इस उतार-चढ़ाव और मंदी के दौर में भी उसका व्यवसाय मुनाफे में है उसने तुरंत उसके पास जाकर इसका कारण जानने का निर्णय लिया। अगले ही दिन वह दूसरे व्यक्ति के पास पहुंचा। दूसरे व्यक्ति ने उसका खूब आदर-सत्कार किया और उसके आने का कारण पूछा। तब पहला व्यक्ति बोला, दोस्त! इस वर्ष मेरा व्यवसाय बाजार की मार नहीं झेल पाया। बहुत घाटा झेलना पड़ा। तुम भी तो इसी व्यवसाय में हो। तुमने ऐसा क्या किया कि इस उतार-चढ़ाव के दौर में भी तुमने मुनाफा कमाया? यह बात सुन दूसरा व्यक्ति बोला, भाई! मैं तो बस सीखता जा रहा हूं, अपनी गलती से भी और साथ ही दूसरों की गलतियों से भी। जो समस्या सामने आती है, उसमें से भी सीख लेता हूं। इसलिए जब दोबारा वैसी समस्या सामने आती है। तो उसका सामना अच्छे से कर पाता हूं और उसके कारण मुझे नुकसान नहीं उठाना पड़ता। बस ये सीखने की प्रवृत्ति ही है, जो मुझे जीवन में आगे बढ़ाती जा रही है। दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर पहले व्यक्ति को अपनी भूल का अहसास हुआ। सफलता के मद में वो अति-आत्मविश्वास से भर उठा था और सीखना छोड़ दिया था। वह यह प्रण कर वापस लौटा कि कभी सीखना नहीं छोड़ेगा उसके बाद उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता चला गया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृषभ मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

मिथुन व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे।

सिंह मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

कन्या नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें।

तुला प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

धनु रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

मकर कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें।

मीन मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हालीवुड फिल्मों के प्रभाव से खुलेआम गाली देने का प्रचलन बढ़ा : जानी लीवर

इंडस्ट्री में पिछले चार दशक से लोगों को हंसाने-गुदगुदाने वाले एक्टर-कॉमेडियन जॉनी लीवर ने आजकल की फिल्मों और स्टैंड-अप कॉमेडी पर भड़ास निकाली है। अश्लीलता और डबल मीनिंग वाले जोक्स मारने वाले कॉमेडियन्स पर कटाक्ष किया है और चैलेंज भी दिया है। उन्होंने एक्ट्रेस कुनिका सदानंद के साथ बातचीत में भारतीय कॉमेडी में आए बदलाव पर बात की और अपनी निराशा जाहिर की। उन्होंने हॉलीवुड के बढ़ते प्रभाव को इन सबके लिए जिम्मेदार ठहराया।जॉनी लीवर ने इंटरव्यू में कहा, हॉलीवुड फिल्मों के कारण लोग आजकल खुलेआम गालियां दे रहे हैं। वहां पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना और बेहूदे जोक्स मारने आम बात है। और अब एक्टर्स और कॉमेडियन भी उनकी नकल कर रहे हैं। उन्होंने इसे आदत बना लिया है। वो अब सिर्फ इंग्लिश फिल्में ही देखते हैं। वहीं, कुनिका ने भी कहा, उनमें से बहुत से लोग ऐसे हैं, जो अब सही से हिंदी भी नहीं जानते। जॉनी लीवर ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और अलग-अलग किरदार से हंसाया है। उन्होंने कहा, वो हॉलीवुड से हूबहू चीजें सीख लेते हैं और ये सोचते हैं कि चल जाएगा क्या फर्क पड़ता है। इसी तरह से डबल मीनिग वाले जोक्स इतने आम हो गए हैं। एक्टर ने आगे कहा, आजकल कई सारे स्टैंड-अप कंटेंट में डबल मीनिंग भरा होता है। लेकिन जब हमें कॉमेडी की ट्रेनिंग दी गई थी को सिखाया गया था कि कभी इस तरह की चीजें न करें। अगर हम डबल मीनिंग वाली बातें करने लगें तो ये नए लोग हमारे सामने टिक भी नहीं पाएंगे। उनकी औकात नहीं कि हमारे सामने टिक सकें। लेकिन हमने वो रास्ता नहीं अपनाया। जॉनी लीवर ने चैलेंज करते हुए आगे कहा, अगर वो इतने ही टैलेंटेड हैं तो मैं उनको चैलेंज करता हूं कि वह कुछ साफ-सुथरा बोलकर दिखाएं, जिससे लोगों को हंसी आए। ये असली टेस्ट है। मैं ये नहीं कर रहा हूं कि वो खराब हैं। लोग उनका कंटेंट इंजॉय कर रहे हैं।

वॉर 2 के ट्रेलर में कियारा के लुक ने फिर से मचाई धूम

बॉलीवुड | मसाला

इस साल की शुरुआत में जब वॉर 2 का टीजर रिलीज हुआ, तो कियारा आडवाणी के शानदार लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। आज शुक्रवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने पर प्रशंसकों ने कियारा के दमदार अवतार की जमकर तारीफ की। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ-साथ कियारा के एक्शन सीन और आकर्षक लुक ने सबका ध्यान खींचा।

हाल ही में मां बनीं कियारा वॉर 2 के ट्रेलर में बिकिनी में अपनी टोन्ड बॉडी और आत्मविश्वास के साथ नजर आईं। उनका यह लुक प्रशंसकों को बहुत पसंद आया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके स्क्रीनशॉट वायरल हो गए।

कुछ लोग उन्हें सबसे हॉट बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि उनका एक्शन से भरा किरदार सभी को हैरान कर देगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फैशन स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने कियारा का लुक डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि कियारा का बिकिनी लुक एक खास रंग में है - न हरा, न पीला, बल्कि इनके बीच का एक अनोखा रंग जो सभी को आकर्षित करता है। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी 2ar2 यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है, जो 2019 की सुपरहिट फिल्म वॉर की अगली कड़ी है। यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक एक्शन फिल्म है। फिल्म की रिलीज को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं।

तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया संग रिश्ते पर लगाई मुहर !

तारा सुतारिया एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्हें बीते कई दिनों से स्काई फोर्स एक्टर वीर पहाड़िया के साथ देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स दावा कर रही हैं कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं। अब उनका एक नया वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें रैंप वॉक करते हुए तारा अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड वीर को फ्लाइंग किस देती दिख रही हैं। इसके बाद दोनों के अफेयर्स की गॉसिप और तेज हो गई हैं।

वीर पहाड़िया का नाम पहले सारा अली खान के साथ जुड़ चुका है, जबकि तारा सुतारिया ने आदर जैन को डेट किया था। पर दोनों की ही इस लव लाइफ का द एंड हो चुका है और फैंस दावा कर रहे हैं कि उन्होंने फिर से नए चैप्टर की शुरुआत की है।

29 साल की तारा सुतारिया ने दिल्ली में इंडिया कॉउचर वीक में रैंप वॉक किया। इस दौरान उन्होंने वीर को फ्लाइंग किस किया। फैंस कह रहे हैं कि तारा ने अपने प्यार का इजहार इस तरह से कर दिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि तारा स्ट्रैपलेस गाउन और फैंसी गहनों के साथ रैंप पर वॉक कर रही हैं। वो मुस्कुरा रही हैं। आगे की लाइन में बैठे वीर अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड का हौसला बढ़ाते दिखे।

अजब-गजब | कभी शहर में जीती थी रंगीन लाइफ, फिर लिया अजीब फैसला

6 लोगों के साथ निर्जन आइलैंड पर रहती है महिला

दुनियाभर में लोग शहरों का रुख करते हैं, ताकि वे अपनी ज़िंदगी को खुलकर जी सकें। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां कई चुनौतियां होती हैं, वहीं शहरों में लग्जरी लाइफ की रंगीनियत साफ-साफ दिखाई देती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनका मन शहरों से भर जाता है और वे निर्जन जगहों पर जाकर बसने का ख्वाब देखने लगते हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही महिला से मिलवाने जा रहे हैं, जिसने ब्रिटेन की शहरी ज़िंदगी और वहां की रंगीन लाइफ को छोड़ दिया और न्यूजीलैंड के एक ऐसे निर्जन आइलैंड पर रहने लगी, जहां कुल 6 लोग ही रहते हैं। लेकिन इस महिला ने ये अजीब फैसला क्यों लिया? दरअसल, इस महिला को शहरों की भागमभाग जिंदगी की जगह शांतिपूर्ण जीवन पसंद था। इस महिला का नाम कैटरिन है, जो 22 साल की हैं। कैटरिन को घूमने का बेहद शौक है। ऐसे में साल 2023 में उन्होंने वेल्स में अपना घर छोड़कर न्यूजीलैंड के ऑकलैंड तट से 11,000 मील दूर स्थित मोटुटापु द्वीप पर रहने का फैसला किया। यह एक छोटा सा द्वीप है, जिसकी आबादी सिर्फ छह लोगों की है। माओरी भाषा में मोटुटापु का अर्थ पवित्र है। यह आइलैंड अद्भुत नज़ारों से भरा है और यहां की जैव-विविधता भी लाजवाब

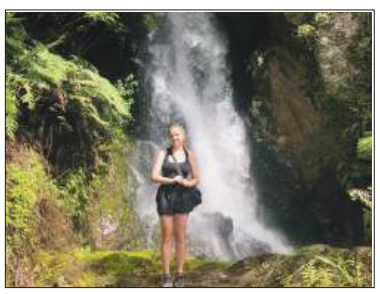

है। कैटरिन ने नौ महीने यहां रहकर एक आउटडोर एंटरटेनमेंट सेंटर में काम किया और अपनी वेबसाइट पर इस रिमोट जगह पर रहने के फायदे और नुकसान के बारे में बताया। कैटरिन के इस अजीब फैसले के पीछे शहरों की रंगीन पर थका देने वाली ज़िंदगी से इतर शांतिपूर्ण जीवन की तलाश थी। ऐसे में वो मोटुटापु पहुंच गईं, जहां शांति ही शांति थी और वहां पक्षियों का चहचहाना ही सुनाई देता है, जो उन्हें बेहद पसंद आया। इतना ही नहीं, रात में रोशनी कम होती थी, जिससे आसमान में हजारों तारे साफ दिखाई देते हैं। इसके अलावा उन्हें इस आइलैंड पर सुरक्षा की चिंता भी नहीं सताती। यहां रात में भी वो आराम से बाहर निकल जाती हैं और दरवाजे भी खुले रहते हैं। सबसे अहम, आइलैंड पर कोई दुकानें या पब न होने के कारण उन्हें पैसे बचाने में मदद मिली, जो शहरी जीवन में मुश्किल था। बता दें कि कैटरिन सोलो ट्रैवलर हैं और अकेले ही घूमने निकल जाती हैं। कैटरिन यूं तो अपने इस नई लाइफ से बेहद खुश हैं। लेकिन इस निर्जन आइलैंड पर रहते हुए उनके सामने कुछ चुनौतियां भी आईं। इस आइलैंड पर कोई दुकान या रेस्टोरेंट नहीं होने के कारण खाने से जुड़ी परेशानियां आईं। ऐसे में उन्हें मेनलैंड तक जाने के लिए फेरी का इंतजार करना पड़ता था। सीमित आबादी (केवल 5 अन्य लोग) और नाइटलाइफ की कमी के कारण उन्हें कभी-कभी जिंदगी उबाऊ लगती थी। कैटरिन ने महसूस किया कि लगातार एक ही जगह, एक ही दृश्य और एक ही लोगों के साथ रहने से कभी-कभी बेचैनी महसूस होने लगती थी। हालांकि, कैटरिन की कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणा है, जो हलचल भरी जिंदगी से हटकर शांति और सादगी की तलाश में हैं। कैटरिन ने लिखा, मोटुटापु ने मुझे सिखाया कि जिंदगी धीमी हो सकती है और यह ठीक है। प्रकृति और सादगी में सुकून है। मोटुटापु जैसे सुनसान द्वीप पर रहना हर किसी के लिए आसान नहीं है, मगर कैटरिन ने इसे अपनी जिंदगी का एक यादगार हिस्सा बनाया।

एमपी के इस गांव में बहती है दूध की नदियां, पर बेच नहीं सकते दूध, वजह जान रह जाएंगे दंग

मध्य प्रदेश में भी कई ताने-बाने हैं तो कई अजीबोगरीब मान्यताएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक घटना सीहोर जिले के एक छोटे से गांव से सामने आई है। यहां की अनोखी मान्यता सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है।

इस गांव में गाय-भैंस का दूध तो खूब होता है, लेकिन उसे बेचा नहीं जाता। जो भी लेने आए उसे फ्री में ही दिया जाता है। यह परंपरा सदियों से चली जा रही है। अगर कोई दूध के पैसे लेता है तो उसका पशु बीमार हो जाता है या फिर भाग जाता है।यही वजह है कि गांव वाले भूलकर भी दूध के पैसे नहीं लेते। इसको लेकर ग्रामीण प्रवीण मेवाड़ा का कहना है कि उनके गांव बिशनखेड़ा में एक सिद्ध संत की गादी है, जिन्हें देवनारायण बाबा के नाम से जाना जाता है।

बाबा ही इस गांव की रक्षा कर रहे हैं, इसलिए यहां न कोई शराब पीता है न कोई मांस खाता है, न ही ऐसा करके कोई गांव के अंदर आ सकता है। दूध का उपयोग भी लोग अपने घरेलू काम और स्वास्थ्य के लिए ही करते हैं। उसका व्यापार नहीं कर सकते हैं। स्थमएस मेवाड़ा के मुताबिक, जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में मान्यता है के अनुसार, 800 की आबादी वाले इस गांव में हर घर में गाय-भैंस है। लेकिन, यहां का दूध किसी को भी बेच नहीं सकते हैं।

कुछ लोगों ने बीच में ऐसा करने का प्रयास किया था, तो उनके धन की हानि हो गई थी। माना जाता है कि इससे देव बाबा नाराज हो जाते हैं।

गांव वालों के द्वारा दूध बेचा तो नहीं जाता, लेकिन किसी को जरूरत होती है तो फ्री में दे देते हैं। इससे उनकी गौ रक्षा और गौ सेवा भी प्रदर्शित होती है।

संघ की पहल राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक : उद्धव

» मुस्लिम मौलवियों और बुद्धिजीवियों से भागवत की बैठक पर सामना ने लिखा लेख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत द्वारा देश के 70 से अधिक मुस्लिम मौलवियों और बुद्धिजीवियों से की गई बैठक पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने मुखपत्र सामना में इसे लेकर आज का लेख लिखा गया जो कि चर्चा में है। लेख में लिखा गया है कि तीन घंटे तक चली इस बैठक में मोहन भागवत ने मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को समझने की कोशिश की, जो बीजेपी के कट्टर हिंदुत्ववादी गुटों को पसंद नहीं आएगा। वहीं ठाकरे ने इस मुलाकात को राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक संवाद बताया है। संपादकीय में ठाकरे ने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार देश को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि दलितों, ईसाइयों और मुसलमानों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश चल रही है। बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अल्पसंख्यकों के वोटर लिस्ट से नाम हटाए जा रहे हैं.

बोले- हम सब एक ही नाव में सवार हैं

बीजेपी के कुछ नेताओं को रास नहीं आएगी ये मुलाकात : ठाकरे

सामना में लिखे लेख के मुताबिक, यह बैठक केवल चाय-पान तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें देश में धार्मिक तनाव को लेकर गंभीर मंथन भी किया गया। उद्धव ठाकरे ने भागवत के इस कदम को मुस्लिम समुदाय के दर्द और भूमिका को समझने की कोशिश बताया है। सामना के संपादकीय में लिखा, खासकर, उत्तर प्रदेश, असम, महाराष्ट्र और दिल्ली में बीजेपी के जिन नव-हिंदुत्ववादियों ने हाल ही में हिंदुत्व के नाम पर उत्पात मचाया है उनको सरसंघचालक का यह कदम पसंद नहीं आएगा। ठाकरे ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे नेता, जिन्होंने मुसलमानों के खिलाफ जहर उगला है, वे शायद इस कारण इस्तीफा तक दे सकते हैं।

ठाकरे ने इसे 'महान हिंदुत्ववादियों' की नहीं, बल्कि पाखंडियों की चाल बताया। उद्धव ठाकरे ने भागवत की इस पहल को आगे बढ़ाने की जरूरत बताई है। उनका कहना है कि भारत में सभी धर्मों के लोगों का डीएनए एक जैसा है। यदि देश की सामाजिक नाव डूबती है तो सभी समुदाय प्रभावित होंगे। ठाकरे ने भागवत को 'राष्ट्र निर्माण' की दिशा में आगे बढ़ता हुआ बताया और कहा कि ऐसे प्रयासों का स्वागत किया जाना चाहिए।

राज्य दर्जा की बहाली पर चर्चा गंभीर हो : गुलाम नबी आजाद

» डीपीएपी अध्यक्ष ने दिया राजनीतिक एकजुटता का मंत्र, बोले- तभी मिलेगी जम्मू-कश्मीर को पहचान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

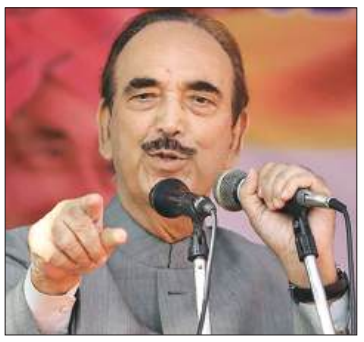

श्रीनगर। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एकीकृत राजनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया है। आजाद ने जम्मू-कश्मीर में विकास की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहां केंद्र सरकार की परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं, वहीं राज्य स्तर की परियोजनाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों ने संसद में इसका (राज्य का दर्जा) वादा किया है। कुछ गलतियां होती गईं जिससे देरी हुई।

पहले, सरकार के समक्ष मांग रखी जानी चाहिए लेकिन लोग तुरंत सड़कों पर उतर आते हैं। आजाद ने कहा कि इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने राज्य के दर्जे की मांग को लेकर जारी प्रदर्शनों पर कहा, प्रदर्शन दो तरह के होते हैं। पहला प्रतीकात्मक और दूसरा लक्ष्य आधारित लेकिन सड़कों पर उतरने से पहले राजनीतिक नेतृत्व को दिल्ली से बात करनी चाहिए थी। इस मामले पर हमें एकजुटता चाहिए, बिखराव नहीं। उन्होंने कहा कि इस मांग को लेकर विभिन्न समुदायों एवं क्षेत्रों के बीच व्यापक सहमति है। नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा विधानसभा में विशेष सत्र बुलाए जाने का स्वागत करते हुए आजाद ने कहा कि विधानसभा सभी दलों का साझा मंच है और इस मुद्दे को पक्षपाती नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने उन्हें उपराष्ट्रपति बनाए जा सकने की अटकलों को लेकर कहा, यह सिर्फ अफवाह है। संवैधानिक पदों को सड़कों पर चर्चा का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी सवालों का सीधा जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा बहस का विषय है और इसे संसद में उठाए जाने की संभावना है।

दोहरे मापदंड अपना रही है भाजपा

» गरिमा बोलीं- एलयूसीसी घोटाले पर आवाज उठाने वाले पूर्व सीएम त्रिवेंद्र के सलाहकार क्यों हैं चुप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। कांग्रेस ने एलयूसीसी घोटाले पर आवाज उठाने वालों से सवाल किया है कि वे पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत के सलाहकार केएस पंवार की कंपनी के 'सोशल बेनिफिट म्यूचुअल फंड घोटाले पर क्यों खामोश हैं। क्यों एलयूसीसी के साथ ही सोशल ग्रुप की कंपनी के घोटालों की जांच नहीं की जा रही है। आम जनता की मेहनत की कमाई लूटने से जुड़े दोनों घोटालों में दोहरे मापदंड क्यों अपनाए जा रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने इस मामले में तीखा हमला बोला।

कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि एलयूसीसी घोटाले की तरह ही 'सोशल बेनिफिट

म्यूचुअल फंड लिमिटेड' नामक कंपनी ने भी उत्तराखंड के हजारों निवेशकों की खून-पसीने की कमाई को लूटा है। दसौनी ने कहा कि इस कंपनी के संचालन में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के औद्योगिक सलाहकार के.एस. पंवार की पत्नी की सीधी भूमिका रही है, जो निदेशक पद पर थीं। शुरुआती जांच में 200 करोड़ रुपये से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि हो चुकी है। जब यह मामला उजागर हुआ, तब आनन-फानन में के.एस. पंवार द्वारा अपनी पत्नी से इस्तीफा दिलवाया गया।

बदले की भावना से काम कर रहे चंद्रबाबू

» वाईएसआर कांग्रेस ने लगाया आरोप, बोले- शराब मामले में गिरफ्तारियों के पीछे सबूत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने शराब घोटाले के सिलसिले में अपने नेताओं की गिरफ्तारियों की निंदा करते हुए उन्हें अवैध, मनमाना और राजनीति से प्रेरित बताया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सांसद पीवी मिधुन रेड्डी, पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के धनंजय रेड्डी, विशेष कार्य अधिकारी कृष्ण मोहन रेड्डी और अन्य की 2024 की एक प्राथमिकी के तहत गिरफ़्तारियां आंध्र प्रदेश में टीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लक्षित कार्रवाई का हिस्सा थीं।

वाईएसआरसीपी सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी ने कहा ये गिरफ्तारियां तथ्यों या सबूतों पर आधारित नहीं हैं, बल्कि स्पष्ट रूप से टीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा विपक्ष

जगन मोहन ने एनडीए सरकार को घेरा

को डराने और हमारी पार्टी की जमीनी ताकत को खत्म करने के लिए चलाए गए प्रतिशोधी राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा हैं। गिरफ्तार लोगों और राज्य की शराब नीति के बीच किसी भी तरह के संबंध को खारिज करते हुए, सुब्बा रेड्डी ने सवाल किया, शराब नीति या आबकारी नीति में इन नेताओं की क्या भूमिका थी? कोई भूमिका नहीं। फिर भी एक सोची-समझी साजिश के तहत उन्हें परेशान किया जा रहा है। यह पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध है। वाईएसआरसीपी ने आगे दावा किया कि शराब घोटाले का मामला मनगढ़ंत था और जबरदस्ती बयानों के आधार पर गढ़ा गया था।

सारी पटकथा टीडीपी ने लिखी है : सुब्बा रेड्डी

सुब्बा रेड्डी ने कहा कि यह कोई जाँच नहीं है। यह एक पटकथा है - जिसे टीडीपी ने लिखा है और सत्ता के दुरुपयोग से अंजाम दिया है। यह बदले की राजनीति है। 2019 से 2024 तक के अपने रिकॉर्ड का बचाव करते हुए, वाईएसआरसीपी ने एक जिम्मेदार और पारदर्शी शराब नीति पर ज़ोर दिया। पार्टी के अनुसार, शराब की दुकानों की संख्या 4,380 से घटाकर 2,934 कर दी गई, जबकि 43,000 अवैध बेल्ट दुकानें और 4,380 परमिट रूम बंद कर दिए गए। नकदी आधारित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए अनिवार्य इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और करों को सुव्यवस्थित करने जैसे सुधार लागू किए गए।

रूट टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज

» भारत के खिलाफ लगाया 12वां शतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ जारी चौथे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार शतक के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के नाम इस प्रारूप में 13378 रन दर्ज हैं। रूट ने अब उन्हें पीछे छोड़ दिया है। उनके नाम 13379* रन दर्ज हो गए हैं। लाल गेंद प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। उन्होंने 329 पारियों में 15921 रन बनाए।

इसके अलावा रूट घर में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने इस मामले में सर डॉन ब्रैडमैन को पीछे छोड़ दिया। मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन दाएं हाथ के बल्लेबाज ने धमाल मचाया।

उन्होंने भारत के खिलाफ जारी मुकाबले में 178 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 38वां शतक पूरा किया। मौजूदा सीरीज में यह उनका दूसरा शतक है। रूट ने 286 पारियों में अपना 38वां टेस्ट शतक पूरा किया। इसी के साथ उन्होंने सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने के मामले में कुमार संगकारा की बराबरी कर ली। श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी ने भी 38 टेस्ट शतक लगाए थे। रूट घर में सर्वाधिक शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड में खेलते हुए रूट ने 32 टेस्ट शतक लगाए हैं। इस मामले में शीर्ष पर भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने घर में 42 शतक लगाए।

वेदा कृष्णमूर्ति ने किया संन्यास का एलान

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की अनुभवी बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की जानकारी दी। वेदा ने कहा, क्रिकेट ने मुझे उम्मीद से बढ़कर दिया। इसने मुझे पहचान दिलाई। अब मैं खेल से संन्यास ले रही हूं। 32 वर्षीय बल्लेबाज ने लिखा, बड़े सपनों वाली एक छोटे शहर की लड़की। कटुर की शांत गलियों से लेकर गर्व से भारत की जर्सी पहनने तक...इस खेल ने मुझे खुशी, दर्द, मकसद और परिवार सब कुछ दिया। आज मैं खेल को अलविदा कहती हूं, लेकिन क्रिकेट को नहीं। मेरे परिवार, टीम के साथियों, कोचों, दोस्तों और पर्दे के पीछे के हर समर्थक का शुक्रिया। और प्रशंसकों आपका प्यार... दूर से ही सही, मेरे लिए उससे कहीं ज्यादा मायने रखता है जितना आप कभी सोच भी नहीं सकते। उस खेल को कुछ वापस देने के लिए तैयार हूं जिसने मुझे जिंदगी दी। मैंने दिल में आग और हर कदम पर गर्व के साथ खेला। हमेशा टीम के लिए। हमेशा भारत के लिए।

संवेदनहीन व अमानवीय है भाजपा सरकार : रोत

झालावाड़ हादसे पर बाप सांसद ने बीजेपी को घेरा, बोले- एक तरफ मासूमों की लाशें, दूसरी तरफ वीआईवी सड़क निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत ने पूरे देश को गहरा सदमा दिया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद राज्य की भाजपा सरकार पर चौतरफा हमला भी शुरू हो गया है। बाप समेत कई विपक्षी दलों ने भजन सरकार को घेरा है।

सांसद राजकुमार रोत ने अस्पताल के बाहर सड़क निर्माण को लेकर राज्य सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मृत बच्चों के परिवारों के लिए आर्थिक सहायता और जमीन देने की मांग की है। जिला चिकित्सालय परिसर के बाहर सड़क निर्माण की तैयारियों पर बाप पार्टी सांसद राजकुमार रोत ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर दो वीडियो पोस्ट कर राज्य सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने लिखा है कि, वीडियो में दो दृश्य साफ दिखाई दे रहे हैं, एक तरफ

एम्बुलेंस मासूमों की लाशें लेकर अस्पताल की ओर दौड़ रही हैं, तो दूसरी ओर सड़क पर डामर बिछाया जा रहा है। रोलर मशीनें घूम रही हैं और अस्पताल की दीवारों की पुताई की जा रही है। क्या सरकार अस्पतालों की हालत सुधारने के लिए मासूमों की मौत का इंतज़ार करती है। अस्पताल की दीवारें अचानक साफ की जा रही हैं, पंखे ठीक किए जा रहे हैं, डॉक्टरों की कुर्सियों से धूल झाड़ी जा रही है। एक वीडियो दो दृश्य – एक तरफ मासूम बच्चों की लाशे लेकर एम्बुलेंस दौड़ रही है, वहीं दूसरी ओर डबल इंजन सरकार की विकास वाली रोलर मशीन हॉस्पिटल परिसर की सड़क को ठीक कर रही है। यह वीडियो झालावाड़ जिला चिकित्सालय का है। यहां मृत बच्चों की लाशें लायी जा रही है, साथ ही घायलों को लाया जा रहा।

पीड़ित परिवारों के लिए बड़ी मुआवजा राशि की मांग की

बाप पार्टी सांसद ने राज्य सरकार से पीड़ित परिवारों के लिए बड़ी मुआवजा राशि की मांग की है. उन्होंने लिखा कि, मृत बच्चों के परिजनों को 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए. परिजनों को 10-10 बीघा जमीन दी जाए. घायलों को 50-50 लाख रुपये और 5-5 बीघा जमीन का मुआवजा दिया जाए।

आम लोगों ने भी जताई नाराजगी

सांसद ही नहीं आम लोगों ने भी इस तत्काल सड़क निर्माण को लेकर नाराजगी जताई है. ग्रामीणों का कहना है कि अगर इतनी तेजी स्कूलों की मरम्मत में दिखाई जाती तो शायद ये हादसा नहीं होता.

विपक्षी नेताओं ने सरकार पर किया हमला

विपक्षी नेताओं ने भी सरकार पर असंवेदनशीलता का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सिर्फ वीआईपी के दौरे से पहले अस्पतालों को चमकाया जा रहा है, जबकि ग्रामीण स्कूलों की हालत बदतर है। बच्चों की जान चली गई तब जाकर सरकारी तंत्र को हरकत में आना पड़ा।

झालावाड़ में स्कूल हादसे मामले में प्रिंसिपल सहित पांच अधिकारी निलंबित

झालावाड़ में स्कूली इमारत ढहने के दर्दनाक हादसे के बाद प्रदेशभर में रोष है। प्रारंभिक जांच के आधार पर कार्यवाहक प्रिंसिपल सहित 5 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। लेकिन विपक्ष शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग कर रहा है। दरअसल यह हादसा सिर्फ एक स्कूल इमारत के ढहने का नहीं बल्कि सिस्टम की विफलता का प्रतीक है। इस त्रासदी के लिए 5 प्रमुख चेहरों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराए जा रहा। जिनकी लापरवाही और चूक ने मासूमों की जान ले ली। शिक्षा मंत्री के तौर पर मदन दिलावर की सबसे बड़ी जिम्मेदारी प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की नीतिगत देखरेख और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। जर्जर स्कूली इमारतों का मुद्दा लंबे समय से उठ रहा था। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक होने के नाते सीताराम जाट की जिम्मेदारी सरकारी स्कूल की जर्जर इमारतों की पहचान, मरम्मत या उन्हें गिराने ठीक करने के संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी करना और उनके पालन को सुनिश्चित करना है। यह आरोप है कि निदेशालय ने इस संबंध में पर्याप्त सक्रियता नहीं दिखाई और न ही फील्ड अधिकारियों से नियमित रिपोर्ट मांगी अगर निर्देश जारी भी हुए तो उनका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया गया। जिससे यह प्रतीत होता है कि जवाबदेही तय करने में भी उनकी चूक हुई है।

लड़कियों को छेड़ते थे सम्राट चौधरी : राबड़ी देवी

डिप्टी सीएम ने लालू-तेजस्वी का नाम ले किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, राजनीतिक दल अपने प्रचार अभियान तेज कर रहे हैं। सत्ता-पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चल रहा है। आरोप-प्रत्यारोप के ताज़ा दौर में, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी पर गुंडागर्दी और लड़कियों को परेशान करने का आरोप लगाया।

राबड़ी देवी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं उन्हें बचपन से जानती हूँ, वह बोरिंग रोड पर गुंडागर्दी करते थे। वह बोरिंग रोड पर लड़कियों को परेशान करते थे। इससे पहले राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने विधानसभा चुनाव से पहले उनके बेटे तेजस्वी यादव की ''हत्या'' की ''साजिश'' रची है। विधान परिषद में विपक्ष की नेता ने यह भी दावा किया कि तेजस्वी की हत्या की कोशिश पहले भी ''कम से कम दो, तीन या चार बार'' की जा चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से आहत हैं पूर्व सीएम : सम्राट चौधरी

पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि राबड़ी देवी इसलिए परेशान हैं क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उनके पति लालू प्रसाद यादव को अपराधी घोषित कर दिया है और उनका बेटा तरह-तरह के बहाने बना रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि स्वाभाविक है कि उन्हें (राबड़ी देवी) इस बात से पीड़ा हो रही है कि उनके पति लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट ने अपराधी घोषित कर दिया है और कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी तथा उनके बेटे चुनाव में हार के डर से तरह-तरह के बहाने बना रहे हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि उन्हें पीड़ा हो रही है।

ट्रंप-मोदी दोस्ती की खुली पोल : जयराम रमेश

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर किया तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ताजा टिप्पणी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नीत सरकार पर तीखा हमला बोला। ट्रंप ने 24वीं बार दावा किया है कि उन्होंने व्यापारिक दबाव का इस्तेमाल कर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की मध्यस्थता की।

कांग्रेस ने अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हालिया कूटनीतिक संपर्कों का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ जिस ''बहुप्रचारित दोस्ती'' का बार-बार ढिंढोरा पीटा गया, वह ''खोखली'' साबित हुई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारतीय कूटनीति की विफलता, विशेष रूप से पिछले दो महीनों में, चार ठोस तथ्यों के जरिये सबसे स्पष्ट रूप से सामने आती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके लिए ढिंढोरा पीटने वाले और जय जयकार करने

वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं। उन्होंने कहा, दस मई 2025 से अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' को रुकवाने के लिए हस्तक्षेप किया था और चेतावनी दी थी कि अगर भारत और पाकिस्तान युद्ध नहीं रोकते तो अमेरिका उनके साथ व्यापार समझौता नहीं करेगा। कांग्रेस महासचिव रमेश के अनुसार, 10 जून 2025 को अमेरिका की शक्तिशाली केंद्रीय कमान के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान को अमेरिका का शानदार साझेदार बताया। उन्होंने कहा, 18 जून 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ एक अप्रत्याशित 'लंच मीटिंग' की। जबकि दो महीने पहले, 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम में क्रूर आतंकी हमले की पृष्ठभूमि खुद आसिम मुनीर के भड़काऊ, उकसावे वाले और सांप्रदायिक बयानों ने ही तैयार की थी। रमेश ने कहा, कल, 25 जुलाई 2025 को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इसहाक डार से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए पाकिस्तान का आभार जताया।

दो महीनों में विफल हुई भारतीय कूटनीति

कांग्रेस ने दावा किया, प्रधानमंत्री द्वारा 19 जून 2020 को चीन को दी गई क्लीन चिट की भारी कीमत भारत चुका रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ जिस बहुप्रचारित दोस्ती का बार-बार ढिंढोरा पीटा गया, वह खोखली साबित हुई है। भारतीय कूटनीति की विफलता, विशेष रूप से पिछले दो महीनों में, चार ठोस तथ्यों के ज़रिए सबसे स्पष्ट रूप से सामने आती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके लिए ढिंढोरा पीटने वाले और जय जयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं।

बिजली न आने से लोग रातभर रहे परेशान

बेअसर है सीएम योगी का फरमान, 11000 वोल्ट की लाइन काटने से कई इलाकों में बिजली गुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक तरफ सीएम योगी कह रहें है। बिजली के लिए पैसे की कमी नहीं है। बिजली अधिकारी ठीक से विद्युत व्यवस्था जारी करे। दूसरी तरफ राजधानी समेत प्रदेश के कई जिलों के लोग बिजली कटौती से परेशान हैं।

थाना कैसरबाग क्षेत्र के अंतर्गत डॉक्टर सुजा रोड, ओडियन, नजरबाग, मछली मोहाल और फूलबाग सहित कई इलाकों में के के स्पन कंपनी द्वारा जल निगम की सीवर पाइप लाइन की सफाई का काम किया जा रहा था। इसी दौरान कंपनी के कर्मचारियों ने एलएनटी हैमर मशीन से काम करते वक्त 11000 वोल्ट की हाई वोल्टेज लाइन को काट दिया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में बिजली सप्लाई ठप हो गई, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलने पर कैसरबाग थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया। पावर हाउस हुसैनगंज के लाइनमैन सुरेश कुमार ने बताया कि कंपनी की तरफ से बिजली विभाग को कोई भी सूचना नहीं दी गई थी। रोड कटिंग के दौरान हाई वोल्टेज लाइन के तार कट जाने से पूरी सप्लाई ठप हो गई है। अब जब तक रोड की खुदाई कर लाइन को फिर से जोड़ा नहीं जाएगा, तब तक बिजली बहाल नहीं हो पाएगी। स्थानीय लोगों ने कंपनी की इस लापरवाही पर नाराजगी जताई और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सावधानी बरतने की मांग की है।

के के स्पन कंपनी की बड़ी लापरवाही

झारखंड के गुमला में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़

जेजेएमपी कमांडर समेत तीन नक्सली ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के गुमला में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। पुलिस को मौके से इंसास, एके-47 सहित विस्फोटक बरामद किया है। बताया जा रहा है कि इलाके में नक्सलियों से मुठभेड़ अभी जारी है।

आपको बता दें कि बोकारो में पुलिस और नक्सलियों के बीच जारी मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर किए गए थे। पुलिस ने इस मुठभेड़ में 25 लाख के इनामी नक्सली कुंवर मांझी को भी ढेर कर दिया है। इस

मुठभेड़ में कोबरा बटालियन का एक जवान के भी घायल होने की भी सूचना थी। बोकारो में ही इसी साल अप्रैल में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली विवेक को ढेर कर दिया था। मारे गए नक्सलियों के पास से 1 एसएलआर और 2 इंसास राइफलें और 1 पिस्तौल बरामद की गई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।